

418 स्कूलों में पढ़ेंगे गरीब वर्ग के 4 हजार से ज्यादा बच्चे

आरटीई के तहत प्रवेश के लिए 9 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

कट्टनी। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर कमज़ोर पड़ने और लॉकडाउन समाप्त होने के बाद अब राज्य सरकार का पूरा फोकस शिक्षण व्यवस्था को पटरी पर लाने का है। यही कारण है कि सरकार स्कूलों को खोलने पर विचार कर रही है और इसके लिए नीति बनाने की कावयद की जा रही है। इसके अलावा निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी स्कूलों में गरीब और कमज़ोर वर्ग के बच्चों को एडमीशन दिलाने के लिए प्रवेश प्रक्रिया भी जारी की गई है। जानकारी के मुताबिक आरटीई के तहत जिले के 418 निजी स्कूलों में 4 हजार 152 बच्चों को प्रवेश दिलाया जाएगा। इसके लिए 9 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन जमा किए जा सकते हैं। ऑनलाइन लाटरी 16 जुलाई एवं 26 जुलाई को आवंटित स्कूलों में प्रवेश दिलाया जाएगा।



नियमानुसार फीस की प्रतिपूर्ति की जाती है। जानकारी के मुताबिक जिले के 418 निजी स्कूलों में नए शिक्षणिक सत्र 2021-22 में शिक्षा के अधिकार अधिनियम आरटीई के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन पहले 30 जून तक जमा होने थे लेकिन कोरोना संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा तिथि को परिवर्तित करते हुए 9 जुलाई कर विशेष था। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद 9 जुलाई तक नुट्री सुधार कर सकते हैं। इस बार स्कूल शिक्षा विभाग ने एक बड़ा फैसला लिया है। इस बार पिछले सत्र के बच्चों का एडमिशन इस सत्र में अगली कक्षा में लिए जाएंगे, वहीं इस बार कोविड बाल कल्याण योजना के तहत अनेक बच्चों का प्राथमिकता से प्रवेश दिया जाएगा।

कोरोना की दूसरी लहर कमज़ोर पड़ने के बाद सरकार का पूरा फोकस शिक्षण व्यवस्था पर

गौरतलब है कि निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कमज़ोर वर्ग के बच्चों को प्रवेश स्कूलों तथा केन्द्रीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जाता है, जिससे वे भी शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ सकें। आरटीई के गैर अनुदान मात्रा प्राप्त प्रवेश स्कूलों में कक्षा 1 में अथवा प्री-स्कूल की शिक्षा से प्रारंभ होने वाले प्रवेश स्कूलों की प्रवेशित कक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत सीटों पर वर्चित सम्भव है कि कमज़ोर वर्ग के बच्चों को निःशुल्क प्रवेश देना अनिवार्य किया गया है। शासन द्वारा

इट टू एजुकेशन : इतने स्कूलों में निलेगा प्रवेश

कुल स्कूल	418
नसरी	1426
केजी वन	2415
केजी टू	18
कक्षा पहली	293
आवंटित सीट	4152

इट टू एजुकेशन में प्रवेश की प्रक्रिया

आनलाइन आवेदन	09 जुलाई
मूल दस्तावेजों से सत्यापन	10 जुलाई
आनलाइन लाटरी	16 जुलाई
आवंटित स्कूल में प्रवेश	26 जुलाई

दस्तावेज़

- वर्चित समूह और कमज़ोर वर्ग का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निःशक्त जन का प्रमाण पत्र।
- निवास प्रमाणपत्र
- मतदाता परिचय पत्र
- राशन कार्ड, पात्रता पत्री, समग्र पत्री
- ग्रामीण क्षेत्र का जावा कार्ड
- पासपोर्ट/ड्राइविंग लायरसेस, बिजली बिल, पानी बिल
- जन्म प्रमाणपत्र

इनका कहना है

जिले के 418 निजी स्कूलों 4152 बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए प्रवेश प्रक्रिया चौथित की गई है। 9 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। स्कूलों में रिक्सोटों की जानकारी पोटेल एवं शिक्षा विभाग के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

कैमोर पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी

ग्राम चरी में ठेकाश्रमिक का रक्तरंजित शव मिलने का मामला



हत्या के आरोप में सह

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और

शव को अपने अधिकार में लेकर उसकी

शिवायकांगी के प्रयास शुरू किए। जिसमें पुलिस को सफलता मिल गई।

शव की पहचान बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम मझगांव निवासी 25 वर्षीय दादू उर्फ मानसिंह पिटा अच्छेलाल गौड़ के रूप से की गई। वह भी पता चला कि दादू दो-तीन माह से सतना जिले की सीमा से लगे हुए गोकुल चौराही के खेत में मगलवार को एक अंतात युवक का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

ठेकाकर्मी गिरापतार

शव को अपने अधिकार में लेकर उसकी

शिवायकांगी के प्रयास शुरू किए। जिसमें पुलिस को सफलता मिल गई।

शव की पहचान बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम मझगांव निवासी 25 वर्षीय दादू उर्फ मानसिंह पिटा अच्छेलाल गौड़ के रूप से की गई। वह भी पता चला कि दादू दो-तीन माह से सतना जिले की भूटूरा से भद्रनगुर तक जन रही 19 बिलायरी जरी की सड़क में पड़ी हुई अपरिहारी को रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।

पिटा का रक्तरंजित शव

मिलते ही पुलिस की मिली थी।</